भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 785

29 नवम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि

785. श्री वाई.एस.अविनाश रेड्डी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत पांच वर्षों के दौरान आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी महाविद्यालयों की संख्या में कोई वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की देश, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश राज्य में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार नए आयुष महाविद्यालयों की स्थापना करने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से 2024-2025 तक स्थापित आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी कॉलेजों की कुल संख्या का विवरण **संलग्नक** पर दिया गया है।

(ग) और (घ): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, देश में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना आंध्र प्रदेश सहित संबंधित राज्य/संघ राज्य सरकारों के कार्यक्षेत्र में आता है। हालाँकि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, उन राज्यों में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना के लिए राज्य/संघ राज्य सरकारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है जहाँ सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है। तदनुसार, आंध्र प्रदेश सहित राज्य/संघ राज्य सरकारें एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके पात्र वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। आयुष मंत्रालय को आंध्र प्रदेश में नए आयुष कॉलेजों की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

*****

संलग्नक

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक स्थापित आयुर्वेद, सिद्ध एवं यूनानी महाविद्यालयों की कुल संख्या-

शैक्षणिक वर्ष	विधा		
	आयुर्वेद	यूनानी	सिद्ध
2020-21	01	01	शून्य
2021-22	47	शून्य	शून्य
2022-23	42	शून्य	03
2023-24	46	01	02
2024-25	34	शून्य	शून्य
कुल	170	02	05

स्रोत: भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम)